पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.12.2016 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

दिल्ली के बाहर के आर्य जन ध्यान दें

कृपया आर्य महासम्मेलन में अपने आने की सूचना शीघ्र देवें जिससे असुविधा न हो।

सम्पर्क:
देवेन्द्र भगत, 9312406810,
यज्ञवीर चौहान, 9810493055

वर्ष-33 अंक-14 पौष-2073 दयानन्दाब्द 192 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2016 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.12.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

सार्वदेशिक सभा मुख्यालय महर्षि दयानन्द भवन में राष्ट्रीय समिति की बैठक सम्पन्न

यज्ञ, वेद, आर्य समाज के कार्य में प्रत्येक आर्य निष्पक्ष होकर सहयोग करे – डा. अनिल आर्य

इस बार का आर्य महासम्मेलन ऐतिहासिक होगा – स्वामी आर्यवेश

सम्बोधित करते डा. अनिल आर्य,बांये से मंच पर वीरेन्द्र योगाचार्य,मनोहरलाल चावला, अमीरचन्द रखेजा, महेन्द्र भाई व रामकृष्ण शास्त्री। द्वितीय चित्र–श्री अमीरचन्द रखेजा को सम्मानित करते स्वामी आर्यवेश, डा. अनिल आर्य व महेन्द्र भाई।

रविवार, 4 दिसम्बर 2016, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व प्रमुख कार्यकताओं की आवश्यक बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड़, नई दिल्ली में आर्य नेता श्री अमीरचन्द रखेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि आर्य महासम्मेलन आर्यो को एक मंच पर सबको इक्ठा होने ओर संवाद करने का अवसर प्रदान करते हैं। सब आर्यो को वर्तमान धड़ेबन्दी से उपर उठ कर यज्ञ, वेद व दयानन्द के मिशन के प्रत्येक कार्य को मिल कर सफल बनाना चाहिए, सार्वजनिक स्थान पर होने वाले किसी समारोह में किसी प्रकार की राजनीति आर्य समाज के हित में नहीं है। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि परिषद ने अपने निरन्तर कार्यक्रमों के माध्यम से आर्य जगत में अपनी एक स्वतन्त्र पहचान बनायी है, इस बार का आर्य महासम्मेलन ऐतिहासिक होगा। श्री अमीरचन्द रखेजा ने सभी आर्य जनों से सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की व पूरे सहयोग का आशवासन दिया। बहरोड़ से रामकृष्ण शास्त्री, सुरेश आर्य गाजियाबाद, मनोहरलाल चावला सोनीपत, वीरेन्द्र योगाचार्य फरीदाबाद, श्री कृष्ण दहिया बहादुरगढ़,योगेन्द्र शास्त्री जीन्द, अशोक जांगड रोहतक, मुनि राजेश्वर कैथल, यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रीतिभोज का आनन्द लेकर सभी विदा हुए। महामंत्री महेन्द्र भाई ने कुशल संचालन किया।

दिल्ली चलो आर्यो — दिल्ली आओ आर्यो

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ व अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक 27, 28, 29 जनवरी 2017 उत्सव ग्राउण्ड, इन्द्रप्रस्थ विस्तार, पूर्वी दिल्ली

की व्यापक तैयारी हेतु आगामी क्षेत्रिय कार्यकर्ता बैठकें:–

राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य निम्न प्रकार सम्बोधित करेंगे

1. उत्तरी दिल्ली : शनिवार, 31 दिसम्बर 2016,प्रातः 11 बजे,
स्थानः आर्य समाज,अशोक विहार,फेज–1,दिल्ली.
संयोजकः जीवनलाल आर्य,फोनः9718965775

2. फरीदाबाद क्षेत्र : शनिवार, 31 दिसम्बर 2016,सायं 3.30 बजे,
स्थानः आर्य समाज,सैक्टर–19,फरीदाबाद.
संयोजकः सत्यभूषण आर्य,फोनः 9818897097

3. पूर्वी दिल्ली : रविवार, 1 जनवरी 2017,प्रातः 11 बजे,
स्थानः आर्य समाज,मयूर विहार,फेज–1,दिल्ली.
संयोजकः यशोवीर आर्य,फोनः 9312223472

4. उत्तर प.दिल्ली : रविवार, 1 जनवरी 2017,सायं 4 बजे,
स्थानः आर्य समाज,प्रशान्त विहार,दिल्ली.
संयोजकः दुर्गेश आर्य,फोनः 9868664800

5. हरियाणा प्रान्त : शनिवार, 7 जनवरी 2017,प्रातः 11.30 बजे,
स्थानःआर्य समाज,सैक्टर–13,
अर्बन एस्टेट, करनाल.
संयोजकः स्वतन्त्र कुकरेजा,फोनः9813041360

6. पश्चिमी दिल्ली : रविवार, 8 जनवरी 2017,प्रातः 11 बजे,
स्थानः आर्य समाज,पूर्वी पंजाबी बाग,दिल्ली.
संयोजकः नरेन्द्र आर्य 'सुमन',फोनः 9213402628

7. दक्षिण दिल्ली : रविवार, 8 जनवरी 2017,सायं 4 बजे,
स्थानः आर्य समाज,ए ब्लाक,कालका जी,नई दिल्ली.
संयोजकः राकेश भटनागर,फोनः 9312210901

8. गाजियाबाद क्षेत्र : रविवार, 15 जनवरी 2017,दोपहर 1.00 बजे,
स्थानःआर्य समाज,वृन्दावन गार्डन ग्रीन,साहिबाबाद.
संयोजकः सुरेश आर्य,फोनः9810189585.

9. फाईनल टच बैठकः रविवार, 22 जनवरी 2017,सायं 4 बजे,
स्थानः आर्य समाज,दीवान हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली

सभी आर्य बन्धु/आर्य युवकों से अनुरोध है कि अपनी निकट की बैठक मे पंहुच कर तन, मन व धन से सहयोग प्रदान करें –
महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महामन्त्री,
फोनः9013137070, फोन–011–22328595

हां, पाक अधिकृत कश्मीर हमारे बाप का है

— अवधेश कुमार

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला के इस बयान से देश में आक्रोश फैला हुआ है कि पाक अधिकृत कश्मीर उनके बाप का है क्या? यह बयान पूरे देश को चुभ गया है। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेता अगर पूरे कश्मीर को आजाद या पाकिस्तान का भाग मानते हैं तो यह सहन किया जाता है। देश मान चुका है कि वे भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक हैं। लेकिन फारुख अब्दुल्ला कश्मीर की मुख्य धारा के राजनीतिज्ञ हैं। पहले उनके पिता वहां के मुख्यमंत्री थे। बाद में वे बने और फिर उनका बेटा। वे और उनके पुत्र दोनों केन्द्र में मंत्री रह चुके हैं। ऐसे नेता के मुंह से यह बयान अचंभित करने वाला है। उनसे यह पूछा जाए कि अगर पाक के कब्जे वाला कश्मीर हमारे बाप का नहीं है तो फिर किसके बाप का है? फारुख क्यों भूल गए कि जिस संसद के वे सदस्य रहे हैं उसने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया है कि पाक के कब्जे वाले पाकिस्तान भारत का भाग है और इसमें सम्मिलित करना है। इस तरह फारुख का बयान संसद के प्रस्ताव के भी विरुद्ध है।

फारुख अब्दुल्ला कोई नौसिखिए नेता नहीं हैं कि मान लिया जाए उनके मुंह से अचानक कुछ निकल गया हो या आक्रोश में वे बोल गए हैं। वे उम्र के इस पड़ाव में हैं जहां ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती है। वैसे भी इस भाषण के बाद उन्होंने बयान पर कायम होने की बात कही है। जाहिर है, उन्होंने सोच–समझकर ऐसा बोला है। वर्तमान सरकार ने केवल इतना किया है कि जो संसद का प्रस्ताव है उसके अनुसार उसने काम करने का बयान दिया है। यह पहली बार हुआ है कि जब भारत की किसी सरकार ने पाकिस्तान से कहा है कि आपके कब्जे में हमारे कश्मीर का जो भाग है उसे आप कब खाली कर रहे हैं। अब यह भारत सरकार की नीति है कि पाक अधिकृत कश्मीर, जिसमें गिलगित बलतिस्तान भी शामिल है, के लोगों से संपर्क किया जाए, विदेशों में जो भी वहां के लोग रहते हैं उनके साथ संवाद बनाया जाए तथा उनको संगठित कर उनकी पाकिस्तान से अलग होने की लड़ाई को ताकत दिया जाए। गिलगित बलतिस्तान में पिछले वर्ष जब चुनाव कराए गए तब भी भारत ने पुरजोर विरोध दर्ज कराया। भारत का कहना था कि यह क्षेत्र पाकिस्तान का है ही नही तो फिर वह चुनाव क्यों करा रहा है।

यह पाकिस्तान की कश्मीर को अलग करने तथा वहां हिंसा फैलाकर भारत को परेशान करने की नीति का जवाब है। हम उनकी तरह आतंकवाद तो पैदा कर नहीं सकते, लेकिन हम केवल अपने भाग वाले कश्मीर तक उनकी दुर्नीतियों का सामाना करें, उसके परिणामों को भुगतें इससे अच्छा है कि हम उस पार के कश्मीर में भी जितना संभव है करें और उसे मुद्दा बनाएं। अगर पाकिस्तान के लिए इस पार का कश्मीर मुद्दा है तो हमारे लिए उस पार का कश्मीर। पाकिस्तान को जवाब देना का यही सर्वथा उचित तरीका है। हम केवल जवाब दें उसकी बजाय पाकिस्तान को जवाब देने के लिए विवश करें। फारुख का बयान भारत की इस नीति के विरुद्ध है। कश्मीर यदि पाकिस्तान की नजर में तथा फारुख अब्दुल्ला की नजर में विवादास्पद क्षेत्र है तो उसमें पाक अधिकृत कश्मीर भी शामिल है। फिर यह विवादास्पद इसलिए है क्योंकि जब अक्टूबर 1947 में कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरि सिंह ने भारत में कश्मीर के विलय प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिया तो पाकिस्तान ने हड़पने की कोशिश की। उस समय भी इसका फैसला हो गया होता। अगर उस समय के नेताओं ने भावुकता से काम नहीं लिया होता तो आज पाक अधिकृत कश्मीर होता ही नहीं। क्या फारुख अब्दुल्ला इस सच को नहीं जानते कि पाकिस्तान ने कबाइलियों के माध्यम से कश्मीर को कब्जाने की कोशिश की थी और उसमें उसे सफलता नहीं मिली? हम यहां उस इतिहास में नहीं जाना चाहते। यह सच सबको पता है कि आज जो पाक अधिकृत कश्मीर है वह इसलिए है, क्योंकि हमने संयुक्त राष्ट्र संघ को बीच में ला दिया।

यह भारत का दुर्भाग्य है कि यहां फारुख अब्दुल्ला जैसे नेता हैं जो ऐसे बयान देकर अपना ही पक्ष कमजोर करने की कोशिश करते हैं। उनके बयान को पाकिस्तान की मीडिया ने जितना महत्व दिया वह स्वाभाविक है। पाकिस्तान कह रहा है कि कश्मीर पर भारत की नीति पर देश में मतभेद है। इससे दुनिया में भी यह संदेश जाता है कि कश्मीर को लेकर भारत में ही एक राय नहीं है। उनको लगता है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हुआ कोई व्यक्ति इस तरह पाक अधिकृत कश्मीर पर भारत के दावे को नहीं मानता तो हम क्यों मानें। विश्व समुदाय के सामने यह सच तो नहीं है कि फारुख के ऐसे वक्तव्य पर देश की आम जनता का रुख क्या है।

यह विचार करने वाली बात है कि आखिर फारुख ने इस तरह का वक्तव्य क्यों दिया? उन्हें पता था कि इसके खिलाफ देश में व्यापक प्रतिक्रिया होगी। उन्हें यह भी पता था कि कश्मीर के पाकपरस्त अलगाववादियों को छोड़कर कहीं से उनको समर्थन नहीं मिलने वाला। यह सब जानते हुए उन्होंने यदि बयान दिया है तो इसके कुछ तो कारण होंगे? तो क्या हो सकते हैं वे कारण? क्या सत्ता से बाहर होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का आत्मविश्वास डोल गया है? उसे लगता है कि उसका जन समर्थन धीरे–धीरे छीज रहा है और उसे वापस लाने के लिए ऐसी बातें बोलना जरुरी है? यह हो सकता है। क्या उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस को सुर्खियों में लाने के लिए ऐसा बोला? क्या कश्मीर में बढ़ते इस्लामिक कट्टरता के सामने यह फारुख अब्दुल्ला जैसे नेताओं का आत्मसमर्पण हैं? ये तीनों कारण हो सकते हैं। कश्मीर के अनेक नेताओं का रवैया दोहरा रहा है। वो दिल्ली में कुछ बोलते हैं तथा घाटी में कुछ। हालांकि अब मीडिया की कृपा से उनकी कोई बात छिपी नहीं रहती। इस कारण उनके लिए जवाब देना कठिन हो जाता है।

फारुख की बात मानी जाए तो पाक अधिकृत कश्मीर पर हमारा दावा बनता ही नहीं है। तो क्या वे बताएंगे कि पाकिस्तान का दावा कैसे बनता है? वे कहते हैं कि पाकिस्तान इसमें एक पक्ष है और आपको बात करनी होगी। देश की सरकार फारुख अब्दुल्ला के निर्देश में तो नीति निर्धारित नहीं कर सकती फिर भी मान लीजिए उनकी बात कुछ समय के लिए मान भी लिया जाए तो पाकिस्तान से क्या बातचीत होगी? कश्मीर मामले पर आज तक जो बातचीत हुई उसका नतीजा जो है सबके सामने है। फारुख अब्दुल्ला भूल गए कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारण उन्हें स्वयं प्रदेश छोड़ना पड़ा था। वे लंबे समय लंदन जाकर रहे। तो पाकिस्तान की नीति साफ है। आप बातचीत करिए या कुछ करिए उसको कश्मीर मुद्दे को सुलगाए रखना है और इसके लिए उसके पास रास्ता यह है कि आतंकवादियों को प्रशिक्षित करके सीमा पार कराते रहो ताकि हिंसा के द्वारा वे कश्मीर को अस्थिर बनाने की कोशिश करते रहे। फारुख यह भी कहते हैं कि जो लोग लंबे समय से उस भाग में रह रहे हैं वो क्यों हमारे साथ आएंगे। विचित्र तर्क है। वो हमारे साथ आएंगे नहीं आएंगे इस पर तो विचार बात में होगा। पाक अधिकृत कश्मीर में पाकिस्तान के खिलाफ एक बड़े वर्ग के अंदर असंतोष है। वहां लोग तमाम दबावों और भय के बावजूद सड़कों पर उतर रहे हैं यह सच है। फारुख अब्दुल्ला को यह दिखाई नहीं देता तो कुछ नहीं किया जा सकता है। हमारी नीति साफ है। हम पाक अधिकृत कश्मीर पर अपने दावे को जोरशोर से उठाएंगे, वहां के पाकिस्तान से असंतुष्ट होकर संघर्ष करने वालों को मदद करेंगे, भारत के पक्ष में आने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे, पाकिस्तान की पकड़ वहां कमजोर हो इसके लिए हर संभव कोशिश करेंगे ....। फारुख अब्दुल्ला जैसे लोगों को सलाह होगी कि वे इस तरह पाकिस्तान समर्थक बयान देना बंद करें। उनका बयान अस्वीकार्य और निंदनीय है। देश के लोगों को भी ऐसे बयान के विरुद्ध खड़ा होना चाहिए। इसका हर ओर से विरोध हो, निदां के शब्द आएं ताकि दूसरे लोग उनके जैसे बयान देने का साहस तक न कर सकें।

ई.:30, गणेश नगर,पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली ,

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती किरण जौली (आर्य समाज, सी ब्लाक, जनकपुरी, दिल्ली) का निधन।
2. श्री अनिल डंग (पिता भव्या डंग, शिक्षिका युवती परिषद्) का निधन।
3. श्री वेदप्रकाश भारद्वाज (पिता आदेश भारद्वाज, बुराड़ी ग्राम) का निधन।
4. सुश्री जयललिता (मुख्यमंत्री, तमिलनाडु) का निधन।

आर्य समाज सैक्टर-33, नोएडा का उत्सव व कुण्डली, सोनीपत में वैदिक सत्संग सम्पन्न

रविवार, 11 दिसम्बर 2016, आर्य समाज, सैक्टर–33, नोएडा का वार्षिकोत्सव 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2016 तक सोल्लास सम्पन्न हुआ। पं.विष्णुमित्र मेधार्थी के प्रवचन हुए व पं. संदीप आर्य के मधुर भजन हुए। उपरोक्त चित्र में डा. अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए,साथ में डा. जयेन्द्र आचार्य, बहिन गायत्री मीना, आदर्श विश्नोई आदि। प्रधान रविन्द्र सेठ ने आभार व मन्त्री कै. अशोक गुलाटी ने संयोजन किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सैक्टर–13, रोहिणी, दिल्ली के तत्वावधान में मैक्स हाईट सोसायटी, सैक्टर–62, कुण्डली, सोनीपत में भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। 21 कुण्डीय यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने यज्ञ करवाया व राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी का काव्य पाठ हुआ। पं. राजवीर आर्य के भजन, आचार्या सुमेधा का आशीर्वाद मिला। डा. अनिल आर्य, मनोहरलाल चावला मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए ओर अपनी शुभकामनायें प्रद्रान की। कुशल संचालन शोभा भूटानी ने किया। चित्र में– डा.अनिल आर्य के साथ प्रधान इन्द्र कुमार आहुजा, मन्त्री अरविन्द आर्य, कोषाध्यक्ष महेन्द्र मनचन्दा, मनोहरलाल चावला, हरिचन्द स्नेही, दिनेश आर्य, धर्मपाल आर्य, हरबंसलाल अरोड़ा, अशोक आर्य, गुलशनलाल निझावन आदि। प्रकाश बत्रा, अनुपम बत्रा, देवेन्द्र जावा, प्रवीन बत्रा, पुष्पा आहुजा, उर्मिला मनचन्दा, सन्तोष, पूनम,अरूण आर्य, माधवसिंह आदि प्रमुख रूप से उपथित थे। सोसायटी लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

गुरूकुल गौतम नगर का उत्सव सम्पन्न व राम मन्दिर के लिये जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन

गुरूकुल गौतम नगर, नई दिल्ली का 83 वां वार्षिकोत्सव 27 नवम्बर से 18 दिसम्बर 2016 तक स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। चित्र में–श्री सत्यपाल आर्य का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य,मण्डल के प्रधान रविदेव गुप्ता, महामंत्री चतरसिंह नागर, कवि विजय गुप्त, स्वामी प्रणवानन्द जी, धर्मवीर पवार,सुरेन्द्र शास्त्री,सुभाष चांदना,स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी,जितेन्द्र डावर,कमल खुराना,ओमप्रकाश सैनी आदि। द्वितीय चित्र–अयोध्या में शीघ्र राम मन्दिर बनाने की मांग को लेकर नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर धरने पर बैठे डा. अनिल आर्य,राष्ट्रवादी शिव सेना प्रमुख जयभगवान गोयल व सरोज शर्मा आदि सन्त।

आर्य समाज बिरला लाईन्स व अशोक विहार-1 का उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 11 दिसम्बर 2016, आर्य समाज,बिरला लाईन्स,कमला नगर, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–बांये से मन्त्री सुधीर घई, प्रधान योगेश आर्य, डा.अनिल आर्य, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व वैदिक विद्वान डा.वेदपाल जी (मेरठ)। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–1, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ, चित्र में–प्रधान पी. के.सचदेवा,आचार्य ऋषभ, दिनेश पथिक (अमृतसर), मन्त्री जीवनलाल आर्य, आनन्दप्रकाश आर्य, डा.अनिल आर्य, डा.वेदपाल जी व आचार्य सतीश शास्त्री।

आर्य समाज, राज नगर, गाजियाबाद व रघुबीर भार्गव की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ

रविवार, 4 दिसम्बर 2016, आर्य समाज,राजनगर, गाजियाबाद का उत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। चित्र में–स्वामी चन्द्रवेश जी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, डा.विनय विद्यालंकार, श्रद्धानन्द शर्मा, प्रधान सत्यवीर चौधरी, डा. उमेश कुलश्रेष्ठ (आगरा), महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य, प.रामनिवास शर्मा आदि। पं. कुलदीप आर्य के मधुर भजन हुए। द्वितीय चित्र–रविवार, 11 दिसम्बर 2016 आर्य समाज,नगर शाहदरा, दिल्ली के सदस्य श्रीमती उर्मिला व रघुबीर भार्गव की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई देते हुए डा.अनिल आर्य, साथ में महेश भार्गव, चन्द्रकांता खरबन्दा, धर्मपाल आर्य व दिनेश आर्य।

समाज सेवी वीरेन्द्र जरयाल को बधाई व हरिद्वार में योग में जीते मैडल

भाजपा नेता व समाजसेवी श्री वीरेन्द्र जरयाल की सुपुत्री अदिति व नीरज के शुभ विवाह के अवसर पर बधाई देते डा. अनिल आर्य, पार्षद महेन्द्र आहुजा, विजय कपूर पत्रकार, सन्दीप आहुजा, चन्द्रकांत अरोड़ा एवम् द्वितीय चित्र–रविवार, 11 दिसम्बर 2016, हरिद्वार के प्रेम नगर आश्रम में आयोजित ''राष्ट्रीय योग प्रतिस्पर्धा'' में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रधान व्यायाम शिक्षक सौरभ गुप्ता के नेतृत्व में योग टीम ने भाग लिया व राजेश गोल्ड व शिवम,सोनम,मीना,शिवकांत,विकास ने सिल्वर मैडल जीते युवा उदघोष की ओर से पूरी टीम को बधाई।

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
के तत्वावधान में
स्वतन्त्रता सेनानी, आर्य संन्यासी, समाज सुधारक
90वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस

शुक्रवार, 23 दिसम्बर 2016, प्रातः 9.30 बजे
स्थान : सांसद निवास, 151, साऊथ एवन्यू, नई दिल्ली

मुख्य अतिथिः
श्री प्रवेश साहिब सिंह
(संसद सदस्य)

मुख्य वक्ताः
डॉ. सत्यपाल सिंह
(सांसद व वैदिक विद्वान)

अध्यक्षता :
डॉ. अशोक कुमार चौहान
(संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

यज्ञ ब्रह्मा: आचार्य गवेन्द्र शास्त्री (युवा वैदिक विद्वान)

गरिमामयी उपस्थितिः

श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी संस्थान)
श्री मायाप्रकाश त्यागी (कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक सभा)
ठाकुर विक्रम सिंह (अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी)
श्री सुरेन्द्र कोहली (सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
श्री हिमांशु-प्रभात शेखर (मनोहर लाल ज्वैलर्स)
श्री ओमप्रकाश जैन (चेयरमैन दिल्ली व्यापार महासंघ)
प्रिं. रमेशकुमारी भारद्वाज (शिक्षा भारती स्कूल द्वारका)
प्रिं. अन्जु महरोत्रा (कालका पब्लिक स्कूल अलखनन्दा)
श्री रविदेव गुप्ता (प्रधान, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मंडल)
श्री रवि चड्ढा (प्रधान, पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मंडल)
श्री दर्शन अग्निहोत्री (प्रधान वैदिक आश्रम, देहरादून)
श्री रूद्रसेन सिंधु (अध्यक्ष, परममित्र सेवा संस्थान)
डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी (करनाल)
श्री राजीव परम (चेयरमेन परम डेयरी ग्रुप)
श्री नवीन रहेजा (रहेजा डेवैलपर)
डॉ. रिखबचन्द जैन (चेयरमेन, टी.टी. ग्रुप)
श्रीमती गायत्री मीना (प्रधाना, आर्य समाज नोएडा)
श्री यशपाल आर्य (अध्यक्ष शिक्षा समिति, दक्षिण दिल्ली)
श्री ओम सपरा (प्रधान, उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मंडल)
चौ. ब्रह्मप्रकाश मान (प्रधान, गुरूकुल खेड़ा खुर्द)

आप सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक

डॉ. अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9810117464

सुभाष आर्य
स्वागताध्यक्ष
9810667581

महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री
9013137070

नोटः कृपया प्रातः 9.15 बजे चाय ग्रहण करें...

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् **आर्य युवक परिषद् है उसका नाम**

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी प्रणवानन्द जी व स्वामी धर्ममुनि जी के सानिध्य में

डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में

वायु प्रदुषण व पर्यावरण की शुद्धि के लिए

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 27, 28, 29 जनवरी 2017 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थान : उत्सव ग्राउण्ड, इन्द्रप्रस्थ विस्तार, पटपड़गंज, पूर्वी दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन प्रीत विहार व आनन्द विहार)

राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा : शुक्रवार 27 जनवरी 2017, प्रातः 10.30 बजे

रूट : उत्सव ग्राउण्ड से चलकर वाया आर्य नगर, अग्रसेन सोसायटी, सांई चौक मधु विहार, स्वामी दयानंद मार्ग, कड़कड़ी मोड़, विकास मार्ग विस्तार, दयानन्द विहार कड़कड़डूमा मैट्रो स्टेशन, जागृति एनक्लेव, डी-ब्लॉक आनन्द विहार, विवेकानंद स्कूल, डी.ए.वी. श्रेष्ठ विहार, योजना विहार, यमुना स्पोर्ट्स कम्पलेक्स, विवेकानंद-महिला कालेज, सांसद महेश गिरी कार्यालय, आर्य समाज विवेक विहार, झिलमिल मैट्रो लालबती, आर-ब्लॉक, दिलशाद गार्डन, आर्य समाज दिलशाद गार्डन स्वामी दयानन्द अस्पताल, विवेक विहार फेज-2, झिलमिल कस्तूरबा नगर लालबती, शिक्षक सदन, आर्य समाज, सूरजमल विहार, शरद विहार-ऋषभ विहार रोड़ ए.जी.सी.आर. एनक्लेव, हरगोबिन्द एनक्लेव, कड़कड़ी लालबती से बांए, हसनपुर डिपो, उत्सव ग्राउण्ड में 1.30 बजे समापन। संयोजक- सुरेश आर्य, देवेन्द्र भगत राकेश भटनागर, सुशील आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, संतोष शास्त्री, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, ब्र. दीक्षेन्द्र, विश्वनाथ आर्य, ओमवीर सिंह, महेश भार्गव, जगदीश पाहुजा राजेन्द्र खारी, विजय आर्य, पियुष शर्मा, के.के. यादव, शिवम मिश्रा, काशीराम, प्रदीप आर्य, रविन्द्र मेहता, शिशुपाल आर्य, विनोद बजाज, सुनील भाटिया, यश शर्मा

मुख्य यजमान : **सर्वश्री दर्शन अग्निहोत्री, सुरेन्द्र गम्भीर, रामलुभाया महाजन, डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी**

शुक्रवार 27 जनवरी, 2017		शनिवार 28 जनवरी, 2017		रविवार 29 जनवरी, 2017	
यज्ञ	: प्रातः 8.30 से 9.30	101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.30 से 10.30	151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.30 से 10.30
राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा	: प्रातः 10.30 से 1.30	ध्वजारोहण	: प्रातः 10.45 बजे	ध्वजारोहण	: प्रातः 11.00 बजे
वेद-संस्कृत रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30	युवा चेतना सम्मेलन	: 11.00 से 2.00	राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 2.30
भव्य संगीत संध्या	: रात्री 7.00 से 9.30	महिला शक्ति सम्मेलन	: 2.15 से 5.00	शिक्षा संस्कृति बचाओ सम्मेलन	: 2.30 से 5.00
श्री नरेन्द्र आर्य "सुमन", श्रीमती अर्चना मोहन		व्यायाम शक्ति प्रदर्शन	: 5.00 से 6.30	कार्यकर्ता सम्मान समारोह	: 5.00 से 5.30
		राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: 7.30 से 9.30	धन्यवाद एवम् शांतिपाठ समापन	: सायं 5.45 बजे

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 8 जनवरी 2017 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्क : वेदप्रकाश आर्य-9810487559, संजय आर्य-9871467689, सौरभ गुप्ता-9971467978
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाज अपना यज्ञकुण्ड 8 जनवरी 2017 तक यज्ञवीर चौहान - 9810493055, राजीव कोहली -9968266014, विकास शास्त्री - 8010204256, अरूण आर्य - 9818530543, विकास शर्मा - 9818161291 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया वानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा "केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली" के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

निवेदक

डॉ. अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री
दुर्गेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, कृष्णचन्द पाहूजा, सत्यभूषण आर्य, सुभाष बब्बर, स्वतंत्र कुकरेजा, आनन्दप्रकाश आर्य, रामकृष्ण शास्त्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

आनन्द चौहान, ठाकुर विक्रम सिंह, मायाप्रकाश त्यागी, प्रभात शेखर, नवीन रहेजा, अरूण बंसल, विजयारानी शर्मा, अमीरचन्द रखेजा

डॉ. रिखबचन्द जैन, अमरनाथ गोगिया, ओमप्रकाश पांडेय, संजीव सेठी, प्रि0 अन्जु महरोत्रा, योगराज अरोड़ा, जवाहर भाटिया, हरिमोहन शर्मा, बब्बु
स्वागत अध्यक्ष

विकास गोगिया, प्रदीप तायल, रवि चड्डा, सत्यवीर चौधरी, रमेशकुमारी भारद्वाज, ओम सपरा, ब्रह्मप्रकाश मान, लक्ष्मण पाहुजा

सुरेन्द्र कोहली, गायत्री मीना, पी.के. मित्तल, डॉ. डी.के. गर्ग, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, रविदेव गुप्ता, सुभाष चांदला, प्रेमपाल शास्त्री
स्वागत मन्त्री

स्वागत समिति : सर्वश्री गुरूदीनप्रसाद रस्तोगी, जितेन्द्र डावर, राजेश मेहन्दीरत्ता, चत्तरसिंह नागर, के.के. सेठी, सुरेन्द्र गुप्ता, धर्मदेव खुराना, अमित मान, डॉ. आर.के. आर्य, अन्जु जावा, सुरेन्द्र शास्त्री, नीता खन्ना, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, शीला ग्रोवर, पुष्पलता वर्मा, कै. अशोक गुलाटी, लक्ष्मी सिन्हा, विनोद खुल्लर, राजकुमारी शर्मा, उषाकिरण कथूरिया, वीरेन्द्र जरयाल राजेन्द्र लाम्बा, संदीप आहुजा, सुभाष ढींगरा, क0 धर्मवीर मलिक, सत्यपाल भाटिया, अजय कपूर, मनोहरलाल चावला, वेदप्रभा बरेजा, प्रवीन तायल, महेन्द्र मनचन्दा, डॉ. गजराजसिंह आर्य

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9312406810, 9312223472, 9013137070
E-mail: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • Join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970